Subject-English **24.05.2020**

Class 5

Lesson 1 Chuskit Goes To School

Dear students,

You are going to know the summary of present story. Today first you will get hindi summary of the story.

Chuskit इस कहानी की मुख्य पात्र हैं ।वह एक दिव्यांग लड़की थी जिनका सपना विद्यालय जाने का था परंतु दुर्भाग्यवश वह चलने में असमर्थ थी ।

आज सुबह में Chuskit सबेरे उठी क्युंकि आज का दिन उसके लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है ।लद्दाख में spring season का समय है ।apricot पौधे में फुल लग चुके हैं ।Ama - ley यानी माँ वो भी सबेरे उठी और gur चाय बना रही थी ।बहुत दिनो के बाद Chuskit के लिए इतनी खुशी का समय था ।इतनी

खुशी वो पहले Losar या gonpa पर्व पर ही रहती थी ।परंतु आज उसके विद्यालय का पहला दिन है इसिलिए आज वह ज्यादा खुश हैं ।

Chuskit को स्कूल जाने के लिए 9 साल का लम्बा इन्तज़ार करना पडा ।स्कूल उसके घर से ज्यादा दूर नहीं था ।स्कूल जाने के लिए उसे थोडा देर सडक पर पैदल चलना पड़ता है ।prayer wheel के ठीक पहले सडक से ठीक बाएं एक तंग रास्ते पर चलेंगे ।पास में ही एक popular का पेड़ होगा जिसे पार करते हुए चट्टानों को पार करते हुए आप सडक के उस पार चले जायेंगे ।Chuskit के गाँव के सारे बच्चे रोज स्कूल जाते हैं परंतु Chuskit नही क्युंकि वह चल नही सकती थी ।Chuskit का पैर जन्म के समय के साथ से ही सामान्य बच्चों के समान नही था ।उसके पिताजी रोज Chuskit को लेह के एक गांव आमची में डॉक्टर को दिखाने आते थे परंतु Chuskit के पैरों में कोई असर नहीं

हुआ।शुरु में Chuskit को यह महसूस नही हुआ की वह अपने भाई stobdan से अलग है परंतु जल्दी ही उसे सच्चाई का पता चला कि वो और बच्चों से अलग है और वह सामान्य रूप से चल नही सकती लेकिन वो स्कूल जाना चाहती थी और पढना चाहती थीं ।

Aba-ley यानी लद्दाखी भाषा में पिता उनको हमेशा हिम्मत देते रहते थे कि तुम्हे चिंता नही करनी चाहिए क्यूंकि बहुत सारी ऐसी चीजें हैं जो तुमको दूसरों से खास बनाता है ।तुम किसी और की अपेक्षा ज्यादा अच्छा कपड़ा सिते हो या तुम किसी और से बेहतर drawing कर सकते हो ।। उसके पिताजी अक्सर लेह से उसके लिए कुछ colour pencil लाते थे ।

Chuskit चलने के लिए एक घुमने वाला कुर्सी का प्रयोग किया करती थीं ।इस कुर्सी को लोग wheelchair भी कहा करते हैं ।जब पहली बार

पिताजी इस कुर्सी को लाये थे तो उस समय घर के सभी सदस्य बहुत ही खुश थे ।Chuskit और उसकी माँ के आँख में कुर्सी को देखकर आंसू आ गए थे क्युंकि Chuskit को कहीं भी जाने के लिए किसी के मदद की जरूरत नहीं पड़ती ।कहीं भी Chuskit को ले जाने के लिये लोगों को उठाना नही पडता ।धीरे-धीरे Chuskit wheel chair का उपयोग करना सिख ली।प्रत्येक शाम मे अपने माँ से अनुमति लेकर वह घर के बाहर घूमती थी

आगे की कहानी कल पढेंगे ।

****